भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग

लोकसभा

तारांकित प्रश्न संख्या 68

26.07.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

आंध्र प्रदेश में पीसीपीआईआर

*68 श्री पी.वी. मिधुन रेड्डी:

क्या रसायन एवं उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि आंध्र प्रदेश में पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोरसायन निवेश क्षेत्र (पीसीपीआईआर) को वर्ष 2009 में अनुमोदन किया गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और स्थिति क्या है और इसके प्रचालन की प्रस्तावित तिथि क्या है;

(ख) पीसीपीआईआर को प्रचालित करने के लिए अब तक कितनी धनराशि का उपयोग किया गया है;

(ग) उक्त परियोजना को पूरा करने के लिए कितनी धनराशि का अनुमान है; और

(घ) लागत में वृद्धि होने और समय अधिक लगने के कारण कितना नुकसान हुआ?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्री
(श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

आंध्र प्रदेश में पीसीपीआईआर के संबंध में श्री पी वी मिधुन रेड्डी द्वारा पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 68 जिसका उत्तर 26.07.2024 को दिया जाना है, के संबंध में (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोरसायन निवेश क्षेत्र (पीसीपीआईआर) एक विशेष रूप से निरूपित निवेश क्षेत्र है, जिसकी योजना पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोरसायन के घरेलू और निर्यात आधारित उत्पादन के लिए विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना के साथ-साथ संबंधित सेवाओं और बुनियादी ढांचे की स्थापना के लिए बनाई गई है। भारत सरकार ने 23.02.2009 को आंध्र प्रदेश में पीसीपीआईआर की स्थापना का अनुमोदन किया है, जिसका क्षेत्र विशाखापत्तनम और काकीनाडा जिलों में 640 वर्ग किलोमीटर है। इसके बाद 01.10.2009 को भारत सरकार और आंध्र प्रदेश सरकार के बीच समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए गए। आंध्र प्रदेश पीसीपीआईआर ने अब तक 58,918.70 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है और 86,123 व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्रदान किए हैं। वर्तमान में, आंध्र प्रदेश पीसीपीआईआर के भीतर 150 प्रचालन इकाइयां हैं।

(ख) से (घ): आंध्र प्रदेश पीसीपीआईआर में लागत सहित विभिन्न परियोजनाओं की स्थिति का विवरण नीचे दिया गया है: -

सड़क: 5 परियोजनाएं ऐसी हैं जो पूर्ण होने के विभिन्न चरणों में हैं। 10295 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय में से अब तक 2175.95 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग किया जा चुका है। परियोजनाओं का विवरण नीचे दिया गया है:-

(i) काकीनाडा पोर्ट से एनएच-5 (नया एनएच-16) - 51.07 किमी को 2 लेन से 4 लेन में अपग्रेड करना।

(ii) एनएच-214 (नया एनएच सं. 216) - काठीपुडी से काकीनाडा तक 27.5 किलोमीटर लंबाई के 40 किलोमीटर खंड को 2 से 4 लेन में अपग्रेड करना

(iii) एनएच-5 (नया एनएच सं. 16) - विशाखापत्तनम से राजमुंदरी तक 162 किलोमीटर के खंड को 4 से 6 लेन में अपग्रेड करना

(iv) एनएच-214 (नया एनएच-216) के पांच खंडों, जिनकी कुल लंबाई 143.175 किलोमीटर है, के लिए पेव्ड शोल्डर्स,

(v) एनएच-5 पर अनकापल्ली से अचुटापुरम तक टेक ऑफ पॉइंट को चार लेन का बनाया जाना

एयरपोर्ट: आंध्र प्रदेश सरकार ने भोगपुरम में एक नया ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट विकसित करने के लिए पीपीपी मोड के तहत परियोजना बनाने के लिए कन्सेशनरियां नियुक्त की हैं, जिसकी परियोजना लागत 4500 करोड़ रुपये है। इसे 01.11.2023 से शुरू किया जा चुका है और जून, 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। वर्तमान में, 31% काम पूरा हो चुका है।

मौजूदा पोर्ट:

विशाखापत्तनम पोर्ट: विशाखापत्तनम पोर्ट पर, पोत परिवहन मंत्रालय द्वारा 2011-12 से 2023-24 के दौरान 5849 करोड़ रुपये की लागत से 32 परियोजनाओं को कार्यान्वित किया गया है। ये परियोजनाएँ बुनियादी ढाँचे को बढ़ाने के लिए बनाई गई हैं जैसे बर्थों की संख्या बढ़ाना, मशीनीकरण और स्वचालन, वेयर हाउसिंग और भंडारण क्षमता बढ़ाना आदि। इसके अलावा, पोत परिवहन मंत्रालय द्वारा 1393 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली 21 अतिरिक्त परियोजनाएँ कार्यान्वयन के चरण में हैं।

काकीनाडा गेटवे पोर्ट का विकास आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा पीपीपी मोड के तहत किया जा रहा है। कार्य का ठेका दे दिया गया है और निर्माण कार्य शुरू हो गया है तथा इसके जून 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके अलावा, काकीनाडा डीप वाटर पोर्ट के उन्नयन का कार्य आवश्यकता के आधार पर चरणों में किया जा रहा है।

श्रीकाकुलम में एक नॉन मेजर पोर्ट, मुलापेटा पोर्ट का विकास आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा किया जा रहा है। इसका 20% काम पूरा हो चुका है। शेष कार्य सितंबर 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है।

अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाएं:

(i) राज्य सरकार द्वारा अचुटापुरम, डेकन, हेटेरो, रामकी, ब्रांडिक्स के आंध्र प्रदेश एसईजेड स्थित 582 करोड़ रुपये मूल्य के कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) और मैरीन आउट फॉल्स का निर्माण कार्य पूरा हो गया है।

(ii) नाकापल्ली क्लस्टर में 450 करोड़ रुपये के बजट परिव्यय के साथ सीईटीपी का अनुमोदन कर दियाा गया है।

(iii) विशाखापट्टनम क्लस्टर में डीसैलिनेशन संयंत्र का अनुमोदन कर दिया गया है और इसका कार्यान्वयन निजी उद्योगों के माध्यम से किया जा रहा है।

(iv) काकीनाडा क्लस्टर में 18.6 एमएलडी क्षमता और 210 करोड़ रुपये मूल्य के डीसैलिनेशन संयंत्र को पूरा कर लिया गया है।

(v) गेल गैस और आंध्र प्रदेश सरकार के संयुक्त उद्यम एपी गैस वितरण निगम (एपीजीडीसी) द्वारा काकीनाडा विजाग श्रीकाकुलम समरकोटा गैस पाइपलाइन के एक हिस्से के रूप में 71 किलोमीटर गैस पाइपलाइन बिछाई गई।

(vi) रेल नेटवर्क को जोड़ने के लिए 165 करोड़ रुपये की लागत से एडीबी की सहायता से सड़क निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

*****